[redacted] आपकी सफलता का प्रवेश द्वार.....

कौटिल्य एकेडमी

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE

138/300

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

खण्ड - अ

अधिकतम् अंक
Maximum Marks

निर्धारित समय:
Time Allowed :

नाम. Name : अनूप कुमार पटेल

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam) हिंदी

मोबाईल नं. Mobile No : 7987050119

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Anoop

ई-मेल पता. E-mail Address :

रोल नं. Roll No : 231303 दिनांक (Date) 05/01/2021

प्रश्न – पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

- इसमें 3 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश–पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में शब्द सामा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रुप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

- There are 3 question and all the questions are compulsory.
- The Number of marks carried by a question/part is indicated against it.
- Answer must be written in the medium authorized in the admission certificate which must be started cleariy on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provide. No marks will be given for answer written in a medium other than the authorized one.
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained) टिप्पणी (Remarks)

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 B

बाणभट्ट
- 7वीं सदी में हर्षवर्धन का दरबारी कवि
- संस्कृत भाषा का विद्वान
- रचना – हर्षचरित, कादम्बरी

1 C

जार्ज केसल
- चैम्बर्ट [illegible] ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा निर्मित
- फ्रांसिस [illegible] द्वारा निर्माण
- महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र

1 D

क्रिप्स मिशन

- 1942 में भारत में संवैधानिक सुधार हेतु
- 3 सदस्यीय → सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
  पेथिक लॉरेंस
  ऐलेक्जेंडर
- असफल, फलस्वरूप भारत छोड़ो आंदोलन (1942) की शुरुआत

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 E

सर आयरकूट

- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया के अधिकारी
- वांडीवाश के युद्ध में निर्णायक सफलता दिलायी
- फ्रांसीसी सेना का भारत में अंत

(2)

F

मिन्हाज उस सिराज

(1) सल्तनत [illegible] वंश [illegible] दरबारी [illegible]
(2) रचना [illegible] तबकात-ए-नासिरी
(3) इल्तुतमिश के काल में प्रसिद्ध

(2)

G

वृहद स्नानागार

- मोहनजोदड़ो से प्राप्त महत्वपूर्ण स्थल
- पक्की ईंटों द्वारा नीचे जाने का मार्ग
- 12 मीटर लंबा, 7 मीटर चौड़ा
- पूजा के लिए सार्वजनिक स्नानागार

(2)

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 I

महमूद गजनवी

(1) सुबुक्तगीन का पुत्र व तुर्की
(2) भारत पर 17 बार आक्रमण किया
(3) सोमनाथ को कई बार लूटा
(4) मूर्तिभंजक व इस्लाम का प्रचार प्रसार

2

1 J

माउण्टबैटन योजना

- उधून [illegible] को [illegible] का निर्माण
- भारत व पाकिस्तान दो स्वतंत्र डोमिनियन का निर्माण
- भारत की स्वतंत्रता पूर्ण हुई थी
- 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ

1½

1 K

बालाजी बाजीराव

(1) बाजीराव बल्लाड़ का पुत्र
(2) 1740 में पेशवा का पद प्राप्त किया
(3) ब्रिटिश सरकार के साथ संधि की

2

(76)

मुख्य

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

1 l

तुलुगुमा पद्धति

(1) बाबर द्वारा प्रयुक्त पद्धति
(2) तोप व बारूद का प्रयोग प्रथम बार
(3) अपनी सेना को दायी व बायी तरफ रखकर
पीछे से वार इसकी विशेषता।

2

1 m

हैदर अली

(1) मैसूर का शासक (डिंडिगुल)
(2) अपनी योग्यता के बल पर सिपाही से शासक
बना
(3) प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध में अंग्रेजों को
पराजित किया

2

INDORE KAUTILYA ACADEMY

1 n

दांडी मार्च

(1) 6 मार्च 1930 को दांडी पहुंचकर गांधी जी
ने नमक कानून तोड़ा।
(2) इस यात्रा में 112 अनुयायी थे।
(3) नमक कानून को तोड़ते ही सविनय अवज्ञा
आंदोलन की शुरुआत हो गयी।

1/2

प्रश्न संख्या 3 1

3-A

गौरवशाली क्रांति से आशय 1688 ई. में हुई इग्लैण्ड की क्रांति से है। इसे गौरवशाली क्रांति इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें किसी भी पक्ष की रक्त की एक बूंद भी नही बही यह केवल विरोध व वार्तालाप से ही सफल हो गयी

गौरवशाली क्रांति

राजनीतिक कारण | धार्मिक कारण

राजनीतिक कारण

(1) जेम्स द्वितीय की निरंकुशता -

जेम्स द्वितीय एक निरंकुश शासक था। वह राजा के दैवीय सिद्धांत के अनुसार अपना शासन चलाता था। इग्लैण्ड की जनता इससे त्रस्त थी।

(2) संसद द्वारा अधिकारों के लिए संघर्ष -

संसद इग्लैण्ड में संवैधानिक राजतंत्र चाहती थी जबकि

INDORE KAUTILYA ACADEMY
Scanned with CamScanner

राजा संसद पर अपनी सर्वोच्चता रखना चाहता था।

(3) खूनी न्यायालय – जेम्स द्वितीय के अवैध पुत्र मनमथ ने राजा के खिलाफ विद्रोह कर दिया जिसका राजा ने सफलतापूर्वक दमन कर दिया मनमथ को मृत्युदंड दिया गया। इससे जनता में असंतोष बढ़ गया।

(4) जेम्स द्वितीय की विदेश नीति – लुई चौदहवाँ कैथोलिक था जबकि इंग्लैंड की अधिकतर जनता प्रोटेस्टेंट मतावलम्बी थी। जेम्स द्वितीय भी कैथोलिक था। वह लुई से सैनिक सहायता प्राप्त करके निरंकुश शासन स्थापित करना चाहता था।

धार्मिक कारण

(1) टेस्ट अधिनियम को स्थगित करना – इस अधि के अंतर्गत केवल एंग्लिकन चर्च के अनुयायी ही सरकारी पद पर रह सकते थे। जेम्स द्वितीय ने यह अधिनियम न्यायधीशों से रद्द करवा दिया

INDORE KAUTILYA ACADEMY
Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्व श्रेष्ठ संस्थान

(2) कैथोलिक धर्म के लिए प्रसार - जेम्स द्वितीय कैथोलिक धर्म के अनुयायियों को अधिक सुविधाएं प्रदान की। पोप का इंग्लैण्ड भी सम्मानित किया।

(3) कोर्ट ऑफ हाई कमीशन की स्थापना - 1684 में जेम्स ... इसकी स्थापना की कैथोलिक धर्म की अवहेलना करने पर मुकदमा चलाकर उन्हें दंडित किया जाता था।

(4) सात पादरियों पर अभियोग - जेम्स द्वितीय ने 7 पादरियों पर क्रोधित होकर मुकदमा दर्ज किया था।

(5) धार्मिक अनुग्रहों की घोषणा - जेम्स द्वितीय ने इंग्लैण्ड को कैथोलिक देश बनाने के लिए 2 बार धार्मिक घोषणाएं की।

2

उपरोक्त कारणों से इंग्लैण्ड की जनता ने इस क्रांति की शुरुआत की जो सफल हुई जिससे उन्हें निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर संवैधानिक राजतंत्र की प्राप्ति

INDORE KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या 3 B

1917 की बोलशेविक क्रांति (रूसी क्रांति) विश्व इतिहास की महत्वपूर्ण घटना थी। इसमें निरंकुश जारशाही का अंत करके विश्व को समाजवाद व मजदूरों व कृषकों की सरकार स्थापित हुई।

रूसी क्रांति के कारण

→ दीर्घकालिक कारण
→ तत्कालिक कारण

दीर्घकालिक कारण

(1) निरंकुश एवं [illegible] शासन

- निरंकुश जारशाही शासन
- जार का खुद को रूस का अधिपति मानना
- सुधार व स्वतंत्रता का पक्षधर नहीं
- जार की पत्नि जरीना व गुरु रासपुतिन भी निरंकुश शासन के पक्ष में

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

(२) रूस जापान युद्ध में रूस की हार

- 1905 में जापान के साथ युद्ध में हार।
- रूस की अपराजेयता की मिथ्या टूटी।
- खूनी रविवार की घटना ने जारशाही के विरुद्ध जनअसंतोष की भावना को प्रबल कर दिया।

(3) प्रशासन व भ्रष्ट नौकरशाही

- नौकरशाही भ्रष्ट थी।
- उच्च पद पर केवल सामंत व जमींदार वंशानुगत थे।
- स्वेच्छाचारी व निरंकुश थी।

(4) सामाजिक व आर्थिक असमानता

- समाज में दो वर्ग
  - → विशेषाधिकार प्राप्त → सामंत
  - → अधिकारविहीन वर्ग → किसान, श्रमिक, शिक्षक

INDORE KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner

- उत्पादन के साधनों पर पूंजीपतियों का अधिकार
- दोनों वर्गों के मध्य संघर्ष था जिसने क्रांति को जन्म दिया।

(5) <u>बौद्धिक कारण</u> :

- रूस में [illegible] बौद्धिक [illegible] ने बौद्धिक चेतना [illegible] वर्षों में [illegible]
- टाल्सटाय की [illegible] पीस ने लोगों को क्रांति के लिए प्रेरित किया।

(6) <u>समाजवादी [illegible] विकास</u>

- समाजवादी विचारधारा का प्रसार हुआ
- १८९८ में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना
- बोल्शेविक दल का नेता लेनिन मजदूरों का शासन स्थापित करना चाहता था।

(7) <u>कृषकों की निम्नतर दशा</u>

- रूस एक कृषि प्रधान देश था

Scanned with CamScanner

जिसमें 90% हिस्सा किसानों का था
10% भूमि जमींदार व सामन्तों की थी
किसान भूमिहीन व बेगार शामिल थे।

तात्कालिक कारण

[illegible] साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा
रूस का जार [illegible] शामिल हो गया
के कारण [illegible] भोजन की
युद्ध के म[illegible] रहे [illegible]। इस प्रकार
कमी, न[illegible] [illegible] की [illegible] हेतु मजबूर
की परिस्थि[illegible]
कर दिया।

शब्द सीमा कम करें।

1917 की क्रांति [illegible] विश्व को समाजवाद
का पाठ पढ़ाया व नई आर्थिक नीति से
आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित की।

6

Scanned with CamScanner

समुद्रगुप्त की उपलब्धियों की जानकारी हरिषेण की प्रयाग प्रशस्ति से प्राप्त होती है।

~~कार्यकाल टाल~~

समुद्रगुप्त की उपलब्धि

सैन्य उपलब्धि | [illegible] | धार्मिक उपलब्धि

सैन्य उपलब्धि

(1) आर्यावर्त की विजय - समुद्रगुप्त ने आर्यावर्त के 12 राज्यों को [illegible] किया। इसमें इन 12 राज्यों को [illegible] अपने राज्य में मिला लिया

प्रसभोद्धरण

(2) दक्षिणापथ की विजय - समुद्रगुप्त ने दक्षिणापथ के 12 राज्य को जीता किंतु उन्हें वापस कर दिया। दक्षिण के राज्यों पर नियन्त्रण रखना कठिन कार्य था इस कारण उसने यह नीति अपनायी

ग्रहणमोक्षानुग्रह

(3) आटविक राज्यों की विजय :- मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश में स्थित आटविक राज्यों को विजित किया

Scanned with CamScanner

इन राज्यों को अपना सेवक बना लिया

परिचारिकीकरण

(4) सीमावर्ती राज्यों की विजय - समुद्रगुप्त ने उत्तर पूर्वी सीमा पर स्थित राज्यों को जीता जिसमें [illegible] बांग्लादेश का क्षेत्र था

[illegible]

(5) विदेशी राज्यों की विजय - इस चरण में समुद्रगुप्त ने सिंहल द्वीप, शक, [illegible] को विजित करके जीत प्राप्त की ये [illegible] हुए राजा सम्राट की सेवा में [illegible] थे

आत्मनिवेदन, कन्योपायनयाचन

इस प्रकार समुद्रगुप्त ने विशाल साम्राज्य की स्थापना की। विसेंट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा है।

धार्मिक उपलब्धियाँ

समुद्रगुप्त ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था

Scanned with CamScanner

लेकिन वह अन्य धर्मों को भी प्रोत्साहित करता था।
उदा० समुद्रगुप्त ने बौद्ध विहार बनाने की अनुमति प्रदान की।

सांस्कृतिक उपलब्धि

(1) समुद्रगुप्त ने अपने दरबार में विभिन्न विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया था।

(2) समुद्रगुप्त के सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुए दिखाया गया है जो उसके संगीतप्रेमी होने को दर्शाता है।

(3) समुद्रगुप्त को "कविराज" की उपाधि दी गयी है।

उपरोक्त उपलब्धियों से यह सिद्ध होता है की समुद्रगुप्त गुप्तकाल का एक महान शासक था। इसका समस्त क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान था।

6

Scanned with CamScanner

फ्रांसीसी क्रांति (1789) में बौद्धिक दार्शनिकों की भूमिका महत्वपूर्ण थी जिससे यह क्रांति सफल हो सकी

मांटेस्क्यू
→ शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत
→ स्वतंत्र कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका का पक्षधर
→ पुस्तक - स्पिरिट ऑफ लॉज

रचनात्मक कार्य

रूसो
→ सोशल कॉन्ट्रैक्ट में मनुष्य की स्वतंत्रता पर बात
→ सामान्य इच्छा का सिद्धांत
→ आदिम व्यवस्था की ओर लौटने को कहा

वाल्टेयर → फिलोसोफिकल लेटर्स में ब्रिटेन तथा फ्रांस की तुलना की
→ कमी व भ्रष्टाचार को उजागर किया

डिडरो विश्वकोष की रचना
शासन की बुराईयों व भ्रष्टाचार को उजागर

बौद्धिक दार्शनिकों ने क्रांति को उद्वेलित कर दिया

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सल्तनतकाल में प्रांतों को इक्ता कहा जाता था इक्ता का अर्थ हस्तांतरणीय लगान अधिन्यास से है। इल्तुतमिश ने इक्ता प्रणाली की शुरुआत की

प्रारंभिक वर्ष

उद्देश्य
(1) दूरस्थ क्षेत्रों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना
(2) भू-राजस्व [illegible]
(3) इक्तादारों [illegible] सहायता एक [illegible] की सेना का प्राप्त होना।
(4) स्थानीय स्तर [illegible] समस्याओं का निराकरण

प्रकार
प्रांत [illegible] की — बड़ी इक्ता
ग्रामी[illegible] — छोटी इक्ता

कार्य
(1) भू-राजस्व का संग्रह
(2) अपना नियंत्रण स्थापित करना।
(3) पद वंशानुगत

परिणाम
(1) प्रभावी नियंत्रण स्थापित
(2) भू-राजस्व की प्राप्ति
(3) एक बड़ी सेना की प्राप्ति

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 (ख)

औद्योगिक क्रांति 1750 ई. से 1850 ई. तक इंग्लैण्ड में घटित हुई

आर्थिक परिणाम

(1) उत्पादन व व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि
(2) रोजगार में वृद्धि
(3) शहरीकरण
(4) बैंकिंग विकास
(5) महिलाओं को रोजगार

राजनीतिक परिणाम

(1) लोकतंत्र की माँग हुई
(2) अंतर्राष्ट्रीय मंचों की आवश्यकता
(3) श्रमिक आंदोलन

वैचारिक परिणाम

(1) मुक्त व्यापार की विचारधारा को बल
(2) समाजवादी विचारधारा को बल

सामाजिक कारण → कुरीतियों में कमी, शिक्षा को बल
महिला सशक्तिकरण
जनसंख्या में वृद्धि

औद्योगिक क्रांति ने प्रत्येक स्तर को प्रभावित किया

Scanned with CamScanner

1857 की क्रांति भारत का प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन था। यह भारतीय इतिहास की युगान्तरकारी घटना थी।

विद्रोह की असफलता के निम्न कारण थे

(1) निश्चित उद्देश्य [illegible] अभाव

(2) संगठन [illegible] की कमी

(3) अंग्रेजों [illegible] तुलना में [illegible] भारतीय नहीं

(4) आंदोलन [illegible] था।

(5) जनसमर्थन [illegible]

(6) योग्य [illegible] नहीं [illegible] जबकि अंग्रेजों को इसका [illegible] था।

(7) दिल्ली के [illegible] समझते हुए क्रांतिकारी अपने [illegible] स्थलों पर ही रहे।

(8) सैन्य दृष्टिकोण की दृष्टि से अंग्रेजों के पास सुशिक्षित सेना थी जबकि भारतीय क्रांतिकारियों के पास हथियारों की भारी कमी थी।

(9) देशी राजाओं ने अंग्रेजों का साथ दिया (ग्वालियर के सिंधिया)

निष्कर्षतः भारतीयों के पास नेतृत्व, अनुभव, उद्देश्य व संगठन की कमी के कारण ये क्रांति सफल न हो सकी

Scanned with CamScanner

2 5

मोहम्मद बिन तुगलक सबसे विद्वान व शिक्षित शासक था लेकिन अनुभवहीनता के कारण उसकी सभी योजनाएं असफल हो गयी

मोहम्मद बिन तुगलक के कार्य

(1) राजधानी परिवर्तन – दिल्ली से हटाकर दौलताबाद की जिससे असंतोष उपजा।

(2) सांकेतिक मुद्रा – चाँदी के सिक्के की जगह [illegible] के सिक्के जारी किए जिससे जाली [illegible] का प्रसार हो गया।

(3) दोआब में कर वृद्धि – दोआब के क्षेत्र में राजस्व को उपज का 50% कर दिया।

(4) कृषि की उन्नति के लिए – एक नया विभाग दीवान-ए कोही की स्थापना की जिसमें किसानों को कृषि ऋण देना था।

इस प्रकार बिन तुगलक की योजनाएं अच्छी थी किंतु क्रियान्वयन सही न होने के कारण वे असफल हो गयी।

परीक्षक की टिप्पणी: कार्य लिखें

2½

Scanned with CamScanner

2 H

राजा राममोहन राय ने 1828 में कलकत्ता में ब्रह्म समाज की स्थापना की थी।

ब्रह्म समाज के उद्देश्य व दर्शन

(1) हिंदु धर्म की कुरीतियों को दूर करना था।
(2) मूर्ति पूजा [illegible] एकेश्वरवाद पर बल।
(3) वेद व [illegible] की शिक्षाओं को ग्रहण करना।
(4) मानवीय [illegible] पर बल दिया गया
(5) सती प्रथा / बाल विवाह पर रोक के लिए कार्य किया

ब्रह्म समाज का प्रभाव

(1) लार्ड विलियम बैंटिक द्वारा 1829 में सतीप्रथा का अंत किया।
(2) समाचारपत्रों से लोगो में राजनैतिक चेतना का विकास किया।
(3) हिंदू धर्म की कुरीतियों को सामने रखा।
(4) विधवा पुनर्विवाह व विवाह की आयु को बढ़ाया

इस प्रकार ब्रह्म समाज ने भारतीय पुनर्जागरण में महती भूमिका निभाई। राजा राममोहनराय को भारतीय पुनर्जागरण का पिता कहा जाता है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 I

वर्साय की संधि जर्मनी व
28 जून 1919 को वर्साय की संधि जर्मनी व अमेरिका, ब्रिटेन, रूस फ्रांस के बीच हुई।

प्रावधान

(1) प्रादेशिक व्यवस्थाएं-
(1) एल्सेस लारेन प्रदेश को जर्मनी ने फ्रांस को दे दिया
(2) सार को फ्रांस ... पूर्वी सीमा के देश
(3) जर्मनी ... संयुक्त राष्ट्रसंघ को सौंप दिए

(2) सैनिक व्यवस्था → सैनिकों की संख्या 1 लाख कर दी गयी। ... जहाजों व पनडुब्बी का अधिकार ... लिया।

(3) आर्थिक व्यवस्था → जर्मनी को मित्रराष्ट्रों को 5 अरब डालर युद्ध क्षतिपूर्ति के लिए

(4) राजनीतिक व्यवस्था → राष्ट्र संघ की स्थापना

इस प्रकार वर्साय की आरोपित संधि से जर्मनी के राष्ट्रवाद को चोट पहुंची जिसकी परिणति द्वितीय विश्वयुद्ध के रूप में देखी जा सकती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या 2 J

हुमायुं मुगलकालीन शासक था जिसने (1530 से 1556 ई.) तक शासन किया।

हुमायूँ की असफलता का कारण

(1) साम्राज्य का बटवारा समान अनुपात में अपने भाईयों में कर दिया जिससे उसका साम्राज्य विभाजित हो गया।

(2) हुमायु का निर्वासित जीवन शेरशाह सूरी द्वारा प्रहार करके निर्वासित हुआ।

(3) कम समय के लिए सत्तारुढ होना जिससे प्रशासनिक व सामरिक अनुभव में कमी

(4) हुमायूँ के पास विवेकरहित दयालुता थी जिसके कारण उसे निर्णय में भूल की।

(5) युद्धनीति के प्रति सजग न होना व युद्ध की तैयारी न करना।

इस प्रकार हम हुमायू के बारे में लेनपूल ने लिखा हुमायू जीवन भर लड़खड़ाता रहा व लड़खड़ाते हुए मर गया"

और कारण दें

4

Scanned with CamScanner

2 K

कर्नाटक युद्ध अंग्रेजों व फ्रांसीसियों के मध्य व्यापारिक व राजनैतिक सत्ता प्राप्त करने हेतु लड़ा गया।

प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48)

↳ सेंट टोमे का युद्ध हुआ था।

↳ यह आस्ट्रिया में उत्तराधिकार प्राप्ति हेतु लड़ा गया।

↳ एक्स-ला-शैपेल की संधि द्वारा समाप्त।

द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749-1754)

↳ इसमें अंग्रेजों ने मुहम्मद अली का समर्थन किया, जबकि फ्रांसीसियों ने चंदा साहब का।

↳ डूप्ले की हरकतों से फ्रांसीसी जीत गए

↳ किंतु पांडुचेरी संधि से दोनों को अपने क्षेत्र मिल गए।

तृतीय कर्नाटक युद्ध (1760)

↳ सर आयरकूट के नेतृत्व में अंग्रेजों की विजय हुई।

↳ अंग्रेजों को भारत में पूर्ण शक्ति के रूप में उभरे।

कर्नाटक युद्ध से स्पष्ट हो गया की अंग्रेज ही भारत के सर्वेसर्वा होंगे।

INDORE KAUTILYA ACADEMY

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

तुष्टीकरण की नीति से अभिप्राय है की अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए या उद्देश्य के लिए सही व गलत को न देखते हुए फैसले लेना।

ब्रिटिश अधिकारियों ने निम्न तरीकों से नीति का पालन

(1) हिंदू धर्म की आलोचना करना
(2) भारतीय प्राचीन शिक्षा ... को खत्म करना
(3) मुस्लिमों को ... जिससे सांप्रदायिक माहौल ... सके।
(4) 1909 में सांप्रदायिक निर्वाचन प्रणाली की शुरुआत करना।

(5) फूट डालो और शासन की नीति अपनाना
(6) पाकिस्तान के निर्माण में सहयोग।
(6) मुस्लिम लीग के गठन में सहायता करना।

3

इस प्रकार अंग्रेज सांप्रदायिक माहौल को बिगाड़ के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करना चाहते थे।

Scanned with CamScanner

आपकी सफलता का सफ़र .....

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

खण्ड - B

Paper-2

अधिकतम् अंक
Maximum Marks

निर्धारित समय:
Time Allowed :

नाम. Name : Anoop Patel

मोबाईल नं. Mobile No : 7987050119

ई-मेल पता. E-mail Address :

रोल नं. Roll No : 231303 दिनांक (Date) 05/01/2021

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam) Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Anoop

प्रश्न – पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

- इसमें 3 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश–पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में शब्द सामा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रुप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

- *There are 3 question and all the questions are compulsory.*
- *The Number of marks carried by a question/part is indicated against it.*
- *Answer must be written in the medium authorized in the admission certificate which must be started clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provide. No marks will be given for answer written in a medium other than the authorized one.*
- *Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*
- *Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.*

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained) ____________ टिप्पणी (Remarks) ____________

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 A
केप्लर एक प्रसिद्ध खगोलविद
ग्रहों की गति से संबंधित 3 नियम दिये
सौर मंडल में ग्रहों की गति समझाई

1½

1 B
मानववाद (जनक पेट्रार्क इटली)
पुनर्जागरण के मूल्यों का आधार
मानववाद की प्रतिष्ठा किया
व्यक्ति की गुण विशेषता पर बल दिया

2

1 C
बास्तील फ्रांस में स्थित किला
14 जुलाई 1789 में आम जनता ने हमला किया
क्रांति का प्रतीक

2

1 D
22 जनवरी 1905 को रूस में घटित
शांतिपूर्ण जुलूस पर जार ने हमला किया
130 लोगों की मृत्यु
खूनी रविवार नाम की घटना से प्रसिद्ध

2

Head Office : Rajwada Chowk, Indore : 0731- 4083933, 9111100925

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

1 E

आरण्यक का वर्ध वन में पढ़ा हुआ जाने वाला भाग है

↳ यह वेदों का गद्य वाला भाग है

↳ यह संस्कृत भाषा में है,

↳ प्रकार - एतरेय, तैत्तिरीय आरण्यक

1 F

↳ उपवास के द्वारा शरीर का त्याग करना

↳ जैन धर्म से संबंधित क्रिया

↳ चंद्रगुप्त मौर्य ने श्रवणबेलगोला में संलेखना यथवा संथारा द्वारा अपने प्राण त्याग किये।

1 G

प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 में आत्माराम पांडुरंग ने महाराष्ट्र में की

कार्य → छुआछूत, जातिगत भेदभाव को दूर करना

महिला शिक्षा के लिए कार्य करना

1 H

भारत में शिक्षा संबंधी आयोग।

भारत में गठित - सैडलर की अध्यक्षता में

महिला शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, भाषा के लिए सुझाव

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

I
इटली में पुनर्जागरण काल का चित्रकार, चित्रकार
सर्वश्रेष्ठ कृति - माता मोडोना का चित्र
अद्भुत चित्रकारी शैली का प्रमुख योगदान 2

J
भू-दान आंदोलन विनोबा भावे ने प्रारंभ
वर्ष ?
↳ आंध्रप्रदेश ... पोचमपल्ली ... से
↳ बड़े किसानों ... भूमि ... दान करने की
अपील ... की
↳ किसानों को ... भू-स्व... उपलब्ध कराए 2

K
रैय्यतवाड़ी व्यवस्था वर्ष ?
कैप्टन रीड व मुनरो द्वारा प्रतिपादित
सीधे किसानों से अनुबंध (भूमि राजस्व संबंधी)
मद्रास व बंबई प्रेसीडेंसी में लागू
... भू-भाग पर लागू 1½

L
बटलर समिति

(1) देसी रियासतों के मध्य विवाद को
सुलझाने हेतु

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

(2) 1927 में गठित
(3) हार्टोग बटलर की अध्यक्षता में

1 | 4 अकबरकालीन की भू-राजस्व पद्धति

↳ दस वर्ष की ... प्रणाली
↳ अकबर के वित्त मंत्री टोडरमल द्वारा सृजित
↳ 1580 ई से 1590 ई तक 10 साल के औसत का 1/3 भाग
↳ 4 भागों में भूमि का वर्गीकरण - पोलज, परती, चाचर व बंजर

1 | 0 हण्टर शिक्षा आयोग

↳ 1882 में डब्लू हण्टर की अध्यक्षता में गठित
↳ कार्य
(1) प्राथमिक शिक्षा पर जोर
(2) महिलाओं की स्थिति में सुधार
(3) निजी शिक्षा संस्थानों में ...

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 1

राष्ट्रसंघ की स्थापना 10 जनवरी 1920 की गयी। इसका प्रमुख कार्य अंतर्राष्ट्रीय शांति को बनाए रखना था।

असफलता के कारण

→ वर्साय की संधि से जुड़ा होना

→ संघ की निष्क्रियता

→ संघ के सदस्यों में अविश्वास की कमी

→ अमेरिका का असहयोग की नीति

→ स्थायी सेना का अभाव

→ आर्थिक मंदी (1929)

→ फांसीवादियों का उदय (हिटलर व मुसोलिनी)

उपरोक्त कारणों से राष्ट्रसंघ के उपस्थित होते हुए भी द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हुआ।

Scanned with CamScanner

इंग्लैण्ड में 1688 में गौरवपूर्ण क्रांति हुई जिससे वहाँ निरंकुश राजतंत्र के स्थान पर संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई

→ संसद की सर्वोच्चता स्थापित

→ राजा के [illegible] की समाप्ति

महत्व

→ [illegible] का अंत

→ [illegible] पर संसद की सर्वोच्चता स्थापित

→ विदेश नीति पर भी संसद की सर्वोच्चता

(3)

→ यूरोप की राजनीति पर प्रभाव

→ इस क्रांति से अमेरिकी क्रांति की पृष्ठभूमि तैयार हुई

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या 1 | 2

यूरोप ~~के~~ [illegible] में 14 सदी से 16 सदी तक जो बौद्धिक परिवर्तन पाया उसे पुनर्जागरण कहते हैं।

पुनर्जागरण की विशेषताए

→ व्यक्तिवाद व मानववाद पर बल

→ सद्[illegible] सौंदर्य की [illegible]सना

→ त[illegible]शीलता, विचार व [illegible]द्धि पर बल

→ नवी[illegible] विज्ञान व [illegible]गोलिक खोजे.

→ बहुमुखी [illegible] का विकास

→ मध्यवर्गीय चेतना जागृति का होना

→ धर्मनिरपेक्षता पर बल

→ उदारवादी समाज का निर्माण

INDORE KAUTILYA ACADEMY

(3)

प्रश्न संख्या: 2 | 1

जैन धर्म के प्रमुख प्रवर्तक तीर्थंकर महावीर माने जाते हैं।

त्रि-रत्न
→ सम्यक् ज्ञान
→ सम्यक् चारित्र
→ सम्यक् दर्शन

(1) सत्य → [illegible] धर्म से सत्

(2) अहिंसा → किसी भी प्रकार की हिंसा त्याग करना

(3) अस्तेय → चोरी न करना

(4) अपरिग्रह → अतिरिक्त धन का संग्र

(5) ब्रह्मचर्य → वासना से दूर रहना।

जैन धर्म अत्यधिक अहिंसावादी धर्म है

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या 2 F

कनिष्क का शासनकाल १०६ ई. से १४० तक था। कनिष्क एक प्रतापी शासक था।

बौद्ध धर्म के संरक्षक के रूप में कनिष्क की भूमिका

(1) कनिष्क पहले [illegible] धर्म का अनुयायी था किंतु [illegible] के प्रभाव में आकर उसने महायान शाखा [illegible] बौद्ध [illegible] ग्रहण कर लिया।

(2) अनेक स्तूपों व विहारों का निर्माण करवाया।

(3) हर्ष प्रयेड [illegible] प्रयाग में महामोक्षपरिषद का आयोजन करवाया था

(4) कन्नौज में धर्मपरिषद का आयोजन

(5) हर्ष बौद्ध भिक्षुओं को दान करता था।

और [illegible] की चर्चा

3

INDORE KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 H

सूरत में 1907 में कांग्रेस दो दलों में विभाजित हो गयी थी। गरम दल, नरम दल

कारण।

(1) गरम दल के नेता यथा लाल-बाल व पाल कांग्रेस की [illegible] नीति से मोह [illegible] हो चुका था।

(2) जबकि [illegible] संवैधानिक तरीके से [illegible] स्वतंत्रता से सुधार का [illegible]

(3) 1907 में [illegible] के अध्यक्ष के रूप में बाल गंगाधर तिलक को बनाए जाने के पक्ष में थे जबकि उदारवादी गुट दादा भाई नैरोजी गोपाल कृष्ण गोखले इसके खिलाफ थे।

अतः 1907 में सूरत में कांग्रेस दो भागों में बंट गयी

गरम दल - लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल

नरम दल - दादा भाई नैरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले

2 I लार्ड वेलजली ने 1798 में सहायक संधि की थी। यह राजाओं को युद्ध व आक्रमण से रक्षा करने हेतु थी

सहायक संधि की शर्तें

(1) संधि स्वीकार करने वाले राजा को अपने राज्य में अपने खर्चे से ब्रिटिश सेना रखनी होगी।

(2) राज्य में एक ब्रिटिश रेजिडेंट रखना होगा।

(3) रेजीडेंट की अनुमति के बिना वह किसी भी राजा को अपनी सेवा में भर्ती नहीं कर सकता था

(4) कंपनी उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी

(5) युद्ध व आक्रमण की स्थिति में रक्षा करेगी।

वास्तविकता में यह संधि अंग्रेजो की साम्राज्य को बढ़ाने के लिए लाई गयी थी।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

2 5

तुर्की आक्रमण से लेकर मुगलों तक विशिष्ट संस्कृति का प्रभाव रहा भारतीय संस्कृति में जो इसकी विशेषता बन गया।

(1) साहित्य के क्षेत्र में – अरबी भाषा के प्रयोग से [illegible] अनुवाद किया गया "[illegible]नामा" [illegible] में।
(2) [illegible] द्वारा [illegible] मध्य [illegible] वतीन" हिंद व फारसी [illegible]

(2) संगीत [illegible] तानसेन ने विभिन्न रागों की रचना [illegible], राग भैरवी, मियां की मल्हार

6

(3) स्थापत्य कला में → गुम्बद व मेहराबों का प्रयोग
पैत्रा-ड्यूरा तकनीक
संगमरमर का प्रयोग
ताजमहल, लाल किला

(4) चित्रकला में
(5) धर्म में प्रभाव → सूफीवाद

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

सिंधु सभ्यता (2350 से 1750 ई.पू.) तक चलती रही पर यतत: इसका पतन हो गया है।

हड़प्पा सभ्यता के पतन को 2 वर्गों में बांटा जाता है।
(1) आकस्मिक पतन का सिद्धांत
(2) क्रमिक पतन का सिद्धांत

आकस्मिक पतन
(1) गार्डन चाइल्ड के अनुसार आर्य आक्रमण को पतन के लिए जिम्मेदार माना है। आर्यों की सेना ने हड़प्पा सभ्यता का अंत किया।
(2) सूखा, बाढ़, भूकंप को भी जिम्मेदार माना है

21

क्रमिक पतन का सिद्धांत
इतिहासकारों का मानना है की पर्यावरण के असंतुलन जल, तापमान, जनसंख्या के कारण इसका पतन हुआ।

Scanned with CamScanner

2 8

15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई लेकिन इसके साथ भारत का बंटवारा भी पाकिस्तान के रूप में कर दिया गया।

गांधी जी देश के विभाजन को स्वीकार करने के कारण निम्न हैं।

(1) साम्प्रदायिकता का पूरे भारत में फैलना।

(2) 1940 के लाहौर अधिवेशन में पाकिस्तान की मांग।

(3) मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिक राजनीति

(4) राजगोपालाचारी - गांधी - जिन्ना वार्ता का विफल हो जाना।

(5) व्यापक रक्तपात व हिंसा का होना।

(6) आजादी के लिए लंबा संघर्ष

उपरोक्त कारणों के दृष्टिगत गांधी जी ने दुखी मन से विभाजन को स्वीकार कर लि

Scanned with CamScanner

द्वितीय विश्व 1939 ई. से 1945 तक चला इसमें यह बहुत विध्वंसक व विनाशकारी था जिसने संपूर्ण विश्व पर गंभीर प्रभाव डाला

द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण

वर्साय संधि की कठोर शर्तें

↳ जर्मनी पर [illegible] संधि

↳ अपमानजनक [illegible] युद्ध होना निश्चित

↳ संधि से जनता में भारी असंतोष उत्पन्न हो गया

↳ जर्मनी में हिटलर के उदय विकट राष्ट्रवाद की भूमिका निभाई

↳ प्रथम विश्वयुद्ध के बाद आर्थिक दुर्दशा

Scanned with CamScanner

तुष्टीकरण की नीति

↳ ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति

↳ ब्रिटेन पूंजीवादी जबकि रूस समाजवादी व्यवस्था का पक्षधर

↳ ब्रिटेन द्वारा, जापान की चीन के पर हमला करने पर भी कोई प्रतिक्रिया न करना

INDORE KAUTILYA ACADEMY

राष्ट्रसंघ की असफलता

↳ बड़े राष्ट्रों द्वारा कोई कार्यवाही न करना

↳ जर्मनी द्वारा पोलैण्ड पर हमला करने पर भी युद्ध नहीं करना

↳ अपने उद्देश्य को पूरा न कर पाना द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

नि: शस्त्रीकरण की असफलता

↳ समस्त प्रयास असफल

↳ वाशिंगटन सम्मेलन में कोई प्रतिक्रिया नहीं

↳ विभि... राष्ट्रों ने ... शस्त्रीकरण की होड़ ... युद्ध ...

↳ यूरोप ... गुट ... हो गया

सैनिक गुट ...

↳ यूरोप 2 भागों में विभाजित

↳ फ्रांस → पोलैण्ड व बुल्गारिया से संधि

प्रश्न संख्या

उग्र राष्ट्रवाद की भावना

↳ उग्र राष्ट्रवाद के कारण।
युद्ध का समर्थन

↳ पेरिस शांति सम्मेलन से
असंतोष

अल्पसंख्यक ... संरक्षण

↳ जर्मन ... विरोधी भावना
को ... युद्ध को बढ़ावा दिया

↳ यद्यपि ... स्वयं का संवीक्षा
... को नताया।

7

व्याख्या और ... द्वितीय विश्वयुद्ध जर्मनी द्वारा पोलैंड पर हमला किया जिससे युद्ध प्रारंभ हो गया जो 1945 में जापान के ऊपर परमाणु हमले तक चलता रहा। ...

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या 3 (A)

रूसी क्रांति 1917 में घटित हुई जिसने विश्व को समाजवाद का पाठ पढ़ाया

रूसी क्रांति के कारण

1. निरंकुश व [illegible] शासन

→ जार का निरंकुश शासन

→ किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं

→ वाक व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं

→ नागरिकों को कोई अधिकार प्राप्त नहीं

कृषक वर्ग का असंतोष

कृषि प्रधान देश होने के बावजूद कृषकों की दयनीय दशा

Scanned with CamScanner

कृषकों की वित्तीय स्थिति खराब

कृषि पर गंभीर संकट

औद्योगिक एवं श्रमिकों का असंतोष

→ अधिकांश [illegible] के स्थान

[illegible] में वृद्धि

→ कृषकों व श्रमिकों की दयनीय स्थिति

→ कम वेतन पर अधिक काम

जापान द्वारा युद्ध में पराजित होना

→ अपराजिता का मिथक टूटना

→ खूनी रविवार की घटना से भारी असंतोष

→ जार का भ्रष्ट होना

बौद्धिक कारण :

→ टाल्सटाय ने वार एंड पीस में प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का बखान किया

→ तुर्गनेव एवं दोस्तोवस्की ने बौद्धिक चेतना को जागृत किया।

तात्कालिक कारण

→ प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी का साथ [illegible]

→ देश की आर्थिक स्थिति का खराब होना

इन समस्त कारणों से रूसी क्रांति को घटित करवाया जिससे रूस को जार के शासन से मुक्ति मिली।

Scanned with CamScanner

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 D

गांधी जी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेतृत्वकर्ता थे। उनके सिद्धांतों व विचारधारा के कारण स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायक हो सकी।

गांधी जी के सिद्धांत

सत्य व अहिंसा

- सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह पर आधारित
- सत्याग्रह से आशय → सत्य के प्रति आग्रह

सत्याग्रह के साधन – हड़ताल, धरना, बहिष्कार

सर्वोदय

- सभी का उदय अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों का भला व कल्याण।

INDORE KAUTILYA ACADEMY

Scanned with CamScanner

अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख

ट्रस्टीशिप

सामाजिक
पूंजीपति
अहिंसा
सत्य

निजी संपत्ति में निश्चित सीमा तक ही प्रयोग
अतिरिक्त [illegible] जनता [illegible] कल्याण हेतु।

साधन = साध्य की पवित्रता

जैसा साधन होगा वैसा ही साध्य [illegible]
उदा० बीज व वृक्ष

वर्ग समन्वय

वर्ग समन्वय से ही स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य माना।

Scanned with CamScanner

लघु एवं कुटीर उद्योगों का समर्थन

- लघु उद्योगों की स्थापना पर बल
- मशीनीकरण का विरोध

विकेंद्रीकरण ...

- 80% ग्रामीण ... जिससे ... पर ही अधिकार उद्योग ... प्रदान ...
- प्रशासन को ... ऊपर चलाने पर जोर

सभी वर्गों को साथ लेकर चलना

↳ जाति व लिंग समानता पर बल

↳ छुआछूत का विरोध

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Scanned with CamScanner

- मातृभाषा का समर्थन
- ग्रामीण स्वराज पर बल
- जनता की केंद्रीय भूमिका पर अधिक बल

गांधी जी और इनके [illegible] ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महती भूमिका निभाई

INDORE KAUTILYA ACADEMY
INDORE

Scanned with CamScanner